مجموعه پوستر

فضائل اربعین

زبان هندی

पैग़म्बरे इस्लाम फ़रमाते हैं

करबला धरती पर सबसे पवित्र स्मारकों मे से है और सम्मान के स्तर पर सबसे महान स्थान है और निसंदेह यह

जन्नत का टुकड़ा है।

बिहारुल अनवार जिल्द 98, पेज 115

tvshia.com

पैग़म्बरे इस्लाम

मेरा बेटा हुसैन ऐसी धरती पर दफ़नाया जाएगा जिसका नाम करबला है, विशेष धरती जो सदैव से इस्लाम का केन्द्र रही है, जैसा कि अल्लाह ने हज़रत नूह के मोमिन साथियों को तूफ़ान से यहीं नजात दी।

(कामिलुज़्ज़ियारात पेज 269 बाब 88, हदीस 8)

tvshia.com

अमीरुल मोमिनीन (अ) ने करबला की धरती को संबोधित करके फ़रमायाः
कितनी सुगंधित मिट्टी है तू, क़यामत के दिन तुझ से एक ऐसी क़ौम उठेगी जो बिना हिसाब के जन्नत जाएगी
शरहे नहजुल बलाग़ा, इब्ने अबिल हदीद जिल्द 4, पेज 169
tvshia.com

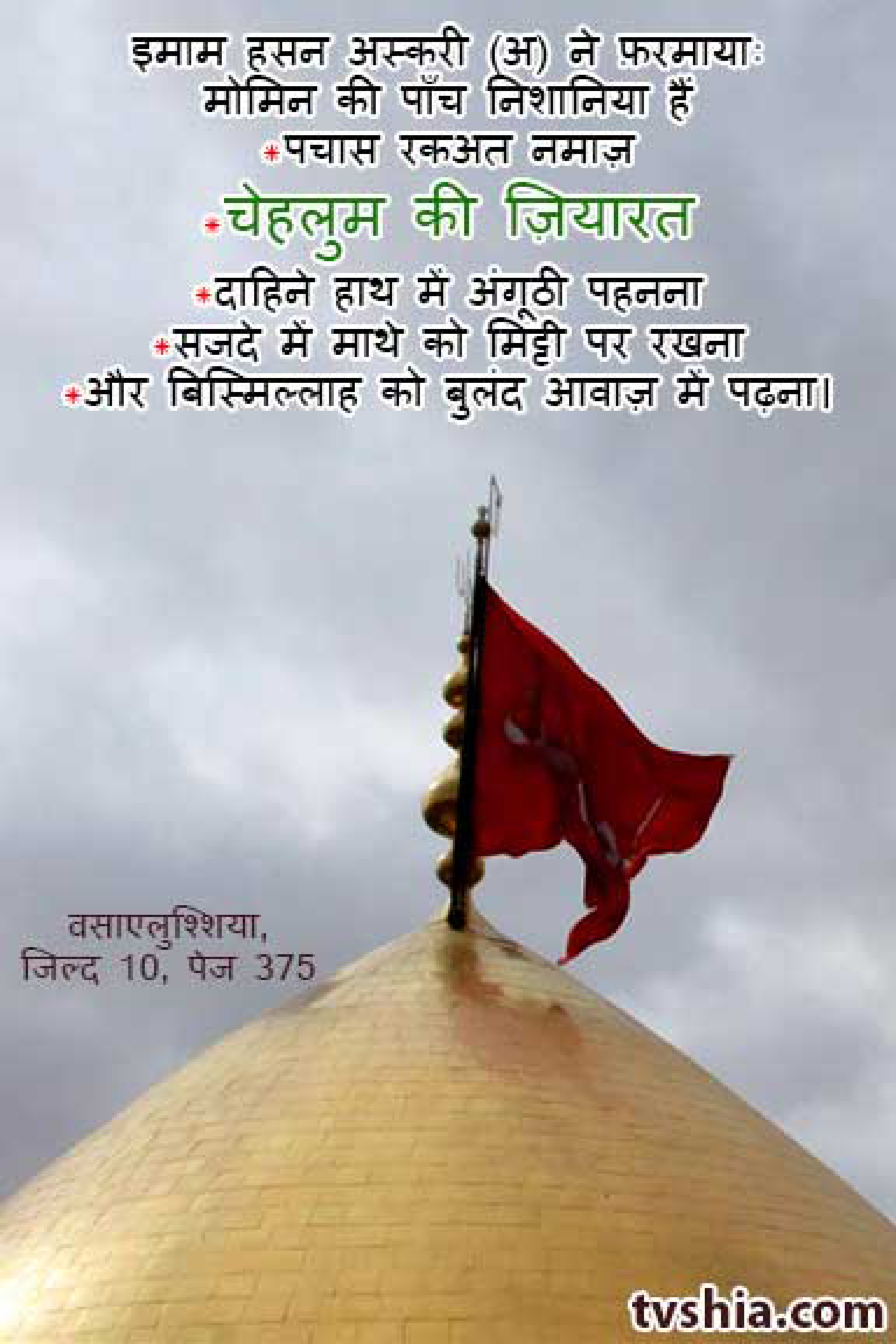
इमाम हसन अस्करी (अ) ने फ़रमायाः
मोमिन की पाँच निशानिया हैं
*पचास रकअत नमाज़
*चेहलुम की ज़ियारत
*दाहिने हाथ में अंगूठी पहनना
*सजदे में माथे को मिट्टी पर रखना
*और बिस्मिल्लाह को बुलंद आवाज़ में पढ़ना।
वसाएलुश्शिया,
जिल्द 10, पेज 375
tvshia.com

इमाम सादिक़ (अ) ने फ़रमायाः

ईश्वर अरफ़ात वालों से पहले इमाम हुसैन (अ) के श्रद्धालुओं पर अपना जलवा दिखाया और उनकी हाजतों को पूर्ण किया और पहले उनके गुनाहों को क्षमा कर ता है और उनके चाहने के अनुसार शिफ़ाअत करता है, उसके बाद अरफ़ात वालों की तरफ़ देखता है और यहीं अनुकम्पा उन पर करता है।

कामेलुज़्ज़ियारात
पेज 170

tvshia.com

अम्बिया की आरज़ू

इमाम सादिक़ (अ) फ़रमाते थेः ज़मीन और आसमान में कोई नबी नहीं है मगर यह कि वह अल्लाह से विनती करता है कि उसको हुसैन बिन अली (अ) की ज़ियारत की अनुमति दी जाए, इसलिये एक गिरोह आसमान से उनकी ज़ियारत के लिये उतरता है और दूसरा ऊपर जाता है।

कामिलुज़्ज़ियारात
पेज 111

tvshia.com

ज़मीन रोती है यह आसमान रोता है

ग़मे हुसैन में सारा जहान रोता है

tvshia.com

इन्सान को बेदार तो हो लेने दो
हर क़ौम पुकारेगी हमारे हैं हुसैन

tvshia.com

मैं एकेला ही चला था जानिबे मंज़िल मगर
लोग आते गए और क़ाफ़िल बनता गया।
tvshia.com

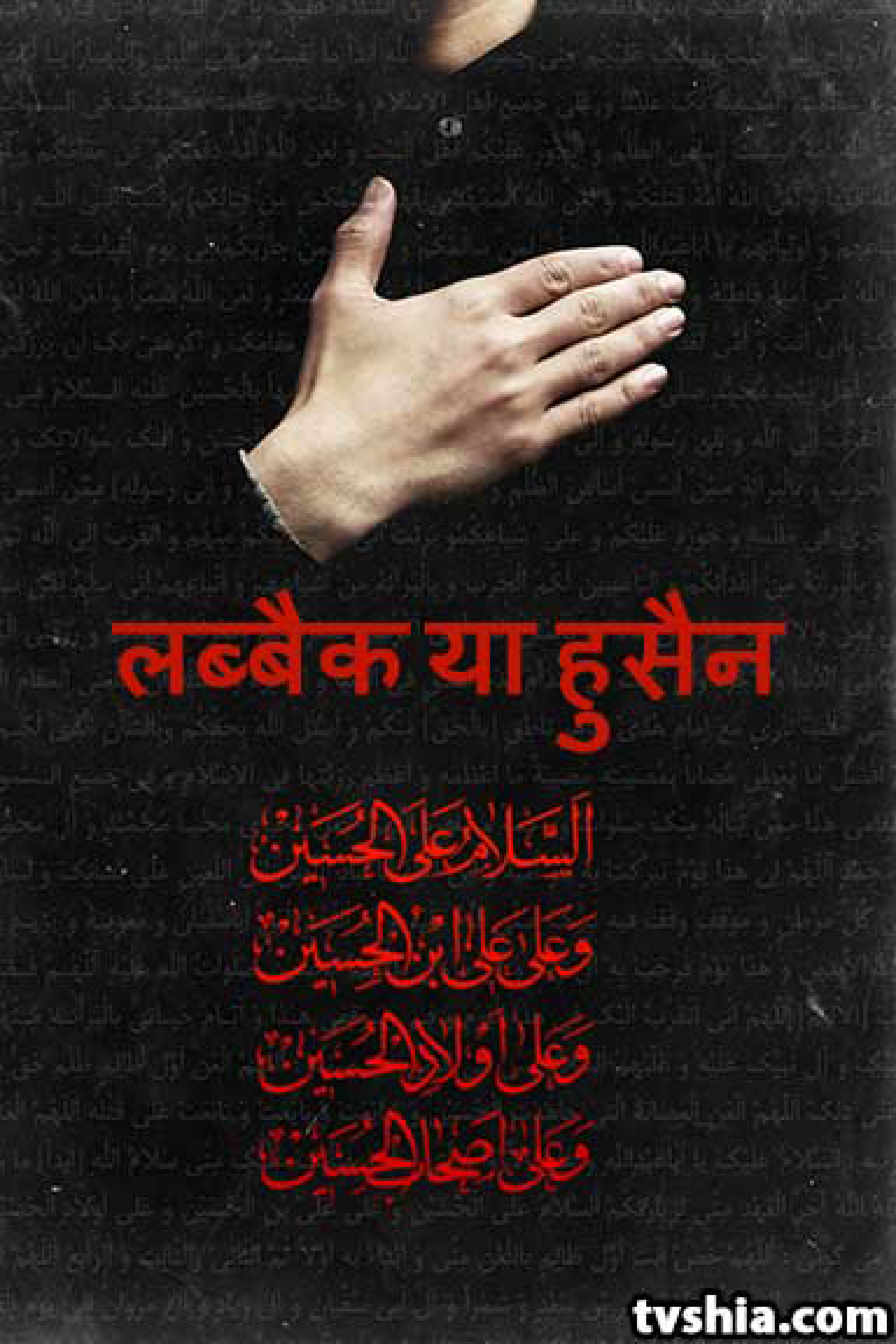
लब्बैक या हुसैन
السلام على الحسين
وعلى علي بن الحسين
وعلى أولاد الحسين
وعلى أصحاب الحسين
tvshia.com